A–594

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–501

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास–01

एम. ए. ज्योतिष (MAJY–20)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र 2024 (June)

समय : 2:00 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. षडेदाङ्गों का परिचय देते हुये ज्योतिष की वेदाङ्गता सिद्ध कीजिए।
2. ज्योतिषशास्त्र का परिचय देते हुये इसकी वैज्ञानिकता प्रतिपादित करें।

3. वर्तमान काल में सामाजिक दृष्टि से ज्योतिषशास्त्र के महत्व को रेखांकित करते हुए एक निबंध लिखें।

4. सिद्धान्त स्कन्ध के किन्हीं **दो** आचार्यों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर निबन्ध लिखिए।

5. ज्योतिषशास्त्र के विकासक्रम का विस्तृत परिचय दीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र के प्रवर्त्तक आचार्यों का विस्तृत परिचय दीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र के संहितास्कन्ध पर एक टिप्पणी लिखिए।

3. आचार्य वराहमिहिर का ज्योतिषशास्त्र में योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

4. वास्तुशास्त्र के किन्हीं **दो** प्रमुख ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

5. ज्यातिषशास्त्र के **पाँच** स्कन्धों पर टिप्पणी लिखिए।

6. मुहूर्तशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

7. पंचांग पर एक टिप्पणी लिखिए।

8. प्रश्नशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

****